News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

15 सितम्बर, 2025

उच्च शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण – राज्यपाल

मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में उमा यादव को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

28 हजार से अधिक शिक्षार्थियों को मिली उपाधि

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 20वां दीक्षान्त समारोह सोमवार दिनांक 15 सितम्बर, 2025 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर उमा कांजीलाल, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि डॉ योगेंद्र कुमार उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार रही। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कुलपति प्रतिवेदन एवं प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी जी' उपस्थित रहे।

माननीया कुलाधिपति महोदया एवं कुलपति जी के साथ ग्रुप फोटोग्राफी में कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के माननीय सदस्यगण

दीक्षान्त समारोह का संचालन करते हुए प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

शोभा यात्रा का सभागार में आगमन

शोभा यात्रा का सभागार में आगमन

माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण करती हुई माननीय राज्यपाल उ0 प्र0 एवं कुलाधिपति जी, माननीय विशिष्ट अतिथिगण, कुलपति जी एवं कुलसचिव

वन्देमातरम्

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी से दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की घोषणा करने हेतु अनुरोध करते हुए कुलपति जी

दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की घोषणाकरती हुई माननीय कुलाधिपति जी

स्वागत एवं विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या

कुलपति द्वारा स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय की संक्षिप्त प्रगति आख्या का प्रस्तुतीकरण

भारत रत्न राजर्षि टण्डन जी की कर्मभूमि तीर्थराज प्रयाग में स्थापित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, आज के माननीय मंत्रीगण श्री योगेंद्र कुमार उपाध्याय जी, श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी जी', श्रीमती रजनी तिवारी जी, विश्वविद्यालय के सर्वोच्च निकायों; कार्यपरिषद् तथा विद्यापरिषद् के सम्मानित सदस्यगण, सभागार में उपस्थित माननीय अतिथिगण, विश्वविद्यालय के सम्मानित पूर्व कुलपतिगण, जनप्रतिनिधिगण, समारोह में उपस्थित समस्त प्रशासनिक अधिकारीगण, मीडिया से पधारे पत्रकारबंधु, समस्त विश्वविद्यालय–परिवार, आज के इस ज्ञानपर्व की धुरी; उपाधि एवं पदक प्राप्तकर्ता शिक्षार्थीगण, देवियों एवं सज्जनों।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं विशेष रूप से माननीया कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ, जो इस समारोह की अध्यक्षता कर रही हैं। आपकी उपस्थिति से हम सभी आह्लादित हैं। माननीय मंत्रीगण श्री योगेंद्र कुमार उपाध्याय जी, नन्द गोपाल नन्दी 'नन्दी जी', श्रीमती रजनी तिवारी जी का भी मैं स्वागत करता हूँ। आप सभी की उपस्थिति इस समारोह को गरिमामय बना रही है।

महोदया, आज इस 20वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर हमें गर्व का अनुभव हो रहा है कि आपकी प्रेरणा और दिशानिर्देशों के फलस्वरूप हमारा विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता हुआ अपनी प्रगति के 27वें वर्ष में गतिमान है। आज इस दीक्षांत समारोह में, सत्रांत परीक्षा दिसंबर–2024 और जून–2025 में सफल *28421* शिक्षार्थियों को उपाधियाँ और प्रमाण–पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। इन सफल स्नातक और परास्नातक शिक्षार्थियों में प्रथम प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शिक्षार्थियों को कुल *27* स्वर्ण पदक आपके कर कमलों से प्रदान किए जाएँगे। इन *27* पदक प्राप्तकर्ताओं में *08* महिला और *09* पुरुष शिक्षार्थी हैं। महोदया, आपको अवगत कराते हुए मुझे हर्ष है कि विश्वविद्यालय को इस वर्ष UGC से 12बी का स्टेटस प्राप्त हो गया है। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि NIRF में मुक्त विश्वविद्यालय श्रेणी में हमारे विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान मिला है। राज्य मुक्तविश्वविद्यालयों में हम दूसरे स्थान पर हैं। मैं अवगत कराना चाहता हूँ कि हमारे विश्वविद्यालय के सभी स्नातक और परास्नातक कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसाओं के अनुसार अद्यतन रूप में संचालित हैं तथा पूर्णतया समर्थ पोर्टल के माध्यम से नामांकन प्रक्रिया गतिमान है। हमने रोजगार और कौशल संवर्धन कार्यक्रमों को भी अद्यतन किया है तथा कौशल प्रशिक्षण के लिए विभिन्न संस्थाओं और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित किए हैं। उच्च शिक्षा की पहुँच को व्यापक बनाने के लिए हमने माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ० प्र० से हाल में ही समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित करते हुए भावी शिक्षार्थियों तक पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास प्रारम्भ किया है। भारतीय ज्ञान परम्परा के उन्नयन एवं जागरूकता के उद्देश्य से भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् (आई.सी.सी.आर.), तथा इलाहाबाद संग्रहालय से भी समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित किए हैं। शोध की गुणवत्ता अभिवृद्धि हेतु आपकी प्रेरणा और मार्गदर्शन में INFLIBNET के साथ भी एम०ओ०यू० किया है। आपकी प्रेरणा से विश्वविद्यालय ने आँगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए निशुल्क बाल विकास एवं पोषण पर आधारित पाठ्यक्रम का निर्माण कर उसे लागू किया गया है। इन सबकी प्रेरणा स्रोत हैं हमारे विश्वविद्यालय की माननीय कुलाधिपति महोदया। यह बताते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि विश्वविद्यालय ने महाकुम्भ के महत्व और भव्यता से जनमानस को जागरूक करने के लिए कुम्भ अध्ययन में छह माह का प्रमाण–पत्र कार्यक्रम तैयार किया है। सम्प्रति यह विश्वविद्यालय अपने लगभग 1500 अध्ययन केन्द्रों व 12 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से 15 शोध विषयों सहित कुल 87 शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इस वर्ष प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की पहुँच को व्यापक बनाने के लिए अनेक अध्ययन केन्द्र भी खोले गये हैं। महोदया, आपको अवगत कराते हुए मैं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ कि शिक्षार्थियों को प्रदान की जाने वाली स्वअध्ययन सामग्री (SLM) में विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है। अब सभी कार्यक्रमों की पाठ्य सामग्री डिजिटल रूप में भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है। हमने प्रवेश के समय डिजिटल SLM डाउनलोड करने की सहमति देने वाले शिक्षार्थियों को संबंधित कार्यक्रम के शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान भी किया है। भारत सरकार की डिजिटल इण्डिया मुहिम को साकार रूप देते हुए इस विश्वविद्यालय में प्रवेश से परीक्षा परिणाम तक की सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं; साथ ही विगत परीक्षा के प्रश्नपत्रों का प्रेषण ऑनलाईन किया गया। उपाधियों को डिजीलॉकर में शामिल किया गया है। शिक्षार्थी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ को प्रभावी और जवाबदेह बनाने का प्रयास किया गया है। ऑनलाईन अधिगम संसाधन की दिशा में प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय स्वयं प्रभा चैनल के लिए प्रथम चक्र में स्वीकृति प्राप्त 12 शैक्षिक पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित 400 लेक्चर्स की रिकार्डिंग करवा रहा है। शीघ्र ही ये पाठ्यक्रम स्वयं प्रभा चैनल पर उपलब्ध हो जायेंगे। शिक्षार्थियों को प्रवेश, त्वरित सूचना प्रसारण और त्वरित शिकायत निस्तारण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 'एकलव्य' मोबाइल ऐप क्रियाशील है, जिसका शुभारंभ आपके आशीर्वाद से ही किया गया था। विश्वविद्यालय ने उद्यमिता विकास के साथ–साथ ऊर्जा संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण कार्य किया है जिसके अन्तर्गत परिसरों में सोलर पैनल द्वारा विद्युत आपूर्ति की नई व्यवस्था की गई है।

महोदया, मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक और संरचनागत प्रगति के प्रति कृतसंकल्प है। हम शिक्षार्थियों को अत्याधुनिक अधिगम तकनीकों से जोड़ते हुए शासन की प्रेरणा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की दिशानिर्देशों के साथ कदम मिलाकर चलने को तत्पर हैं। इस हेतु विश्वविद्यालय मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम (ODL) से मुक्त, दूरस्थ एवं डिजिटल अधिगम (ODDL) की ओर अग्रसर है। शोध की गुणवत्ता के उन्नयन पर लगातार विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। मैं इस 20वें दीक्षांत समारोह के केंद्र बिंदु, सभी उपाधि एवं पदक प्राप्तकर्ता शिक्षार्थियों के सुखद, गरिमामय और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ।

धन्यवाद! जय हिन्द! जय भारत!

छात्र–छात्राओं को पदक प्रदान करती हुई माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

20वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 27 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 15 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 12 स्वर्ण पदक छात्रों ने प्राप्त किए। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर–2024 तथा जून–2025 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 28421 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिसमें 17268 पुरूष, 1 ट्रांसजेंडर तथा 11152 महिला शिक्षार्थी हैं। इस अवसर पर उपाधियों एवं अंकपत्रों को डिजीलॉकर में अपलोड कर प्रसारित किया गया। 20वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटल ने क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक विज्ञान की छात्रा सुश्री उमा यादव को दिया।सुश्री उमा ने बी.एस.सी. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा वे समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक एवं परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं।

इसके साथ ही राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिए। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध एम.ए. (संस्कृत) की छात्रा सविता प्रजापति, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र से सम्बद्ध एम.ए. (राजनीति विज्ञान) के छात्र आदित्य तिवारी , प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.बी.ए. की छात्रा सृष्टि यादव, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. के छात्र सुश्रुत कुमार पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) के छात्र गिरजा शंकर, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.एस.सी. (जैव रसायन) के छात्र सोमेश भारद्वाज, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ से सम्बद्ध एम0एस0सी0 (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) की छात्रा नेहा कनौजिया प्रमुख रहीं।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने स्नातक वर्ग में भी विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिये। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) के छात्र राजकमल नन्दा, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) के छात्र उत्कर्ष पाण्डेय, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0कॉम0) के छात्र प्रदुम्न चौहान, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0सी0ए0) के छात्र सूरज कुमार, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0एड0) की छात्रा श्वेता सिंह, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0एस0सी0) की छात्रा उमा यादव, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, झांसी से सम्बद्ध स्नातक (बी.एस.सी. ह्यूमन न्यूट्रीशन) की छात्रा हुमैरा हलीम प्रमुख रहीं।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने 12 मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। जिनमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एड0 की छात्रा श्वेता सिंह , जोहरा अहमद मिर्जा स्मृति स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. की छात्रा अंकिता कुमारी, श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम. बी.ए. की छात्रा सृष्टि यादव, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक कला के छात्र उत्कर्ष पाण्डेय , स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.ए. (राजनीति विज्ञान) के छात्र आदित्य तिवारी, प्रो. एम. पी. दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक कला के छात्र उत्कर्ष पाण्डेय, प्रो. एम. पी. दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एड0 की दामिनी सिंह, महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं0 सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध एम0ए0 (हिन्दी) के छात्र रत्नेश द्विवेदी, स्वर्गीय प्रो. सुशील प्रकाश गुप्ता स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी. एड. की छात्रा श्वेता सिंह, श्री संतोष कुमार दीक्षित स्मृति स्वर्ण पदक महिला वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम0बी0ए0 की छात्रा सृष्टि यादव, स्व0 श्रीमती चारूल पाण्डेय स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ से सम्बद्ध स्नातकोत्तर (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) की छात्रा नेहा कनौजिया तथा स्व0 डॉ0 मुरली धर तिवारी स्मृति स्वर्णपदक क्षेत्रीय केन्द्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एस0सी0 (स्नातक विज्ञान) की छात्रा उमा यादव प्रमुख रहीं।

दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को अनुशासनादेश प्रदान करते हुए कुलपति प्रो० सत्यकाम

दीक्षान्त समारोह में छात्र–छात्राओं को उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

इस अवसर पर उपाधियों एवं अंकपत्रों को डिजीलॉकर में अपलोड कर प्रसारित किया गया।

डिजीलॉकर में उपाधियों का समावेश करती हुई माननीय राज्यपाल उ0 प्र0 एवं कुलाधिपति जी

इस अवसर पर राज्यपाल की मौजूदगी में इलाहाबाद संग्रहालय से समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) भी किया गया। इसके अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय में संग्रहालय अध्ययन का कोर्स आरम्भ किया जाएगा।

समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) हस्तान्तरित करते हुए इलाहाबाद संग्रहालय के निदेशक श्री राजेश प्रसाद एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

इस अवसर पर गोद लिए गांव से एक स्कूली बच्चे सृष्टि शुक्ला ने राज्यपाल के समक्ष महिला सशक्तिकरण पर उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

महिला सशक्तिकरण पर उद्‌बोधन प्रस्तुत करती हुई सृष्टि शुक्ला

शिक्षा का वास्तविक अर्थ ज्ञान को जीवन से जोड़ना है : श्रीमती रजनी तिवारी

विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक अर्थ ज्ञान को जीवन से जोड़ना है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वह मूल्य और संस्कार को आत्मसात करते हुए अपने व्यक्तित्व को ऐसा बनाएं जो समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी हो। उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने न केवल हमारी जीवन शैली बदल दी है बल्कि शिक्षा के स्वरूप को भी नई दिशा दी है। श्रीमती तिवारी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार होगा जब युवा अपनी उर्जा, ज्ञान और नवाचार से इसमें योगदान देंगे।

इस अवसर पर बेरुई गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा पर्यावरण से संबंधित गायन सह अभिनय प्रस्तुति की गयी।

विद्यार्थियों तक दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा पहुंचा रहा है : श्री योगेंद्र उपाध्याय

विशिष्ट अतिथि श्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्राप्त शिक्षार्थियों से कहा कि वैश्वीकरण के इस युग में उन्हें आधुनिक विज्ञान और तकनीक का ज्ञान अर्जित करना होगा। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पुस्तकालय, वर्चुअल लैब्स और स्मार्ट क्लासरूम जैसी सुविधाएं शिक्षा के स्वरूप को बदल रही है। श्री उपाध्याय ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का महत्व इसी कारण और भी बढ़ गया है क्योंकि यह उन विद्यार्थियों तक दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा पहुंचा रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन, बेरोजगारी, जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरण संकट और सामाजिक असमानता जैसी अनेक चुनौतियां हमारे सामने होंगी, जिनके समाधान के लिए शिक्षित, सजग और जिम्मेदार नागरिकों की आवश्यकता है।

युवा ही बना सकते है विकसित भारत : प्रोफेसर उमा कांजीलाल

मुख्य अतिथि प्रोफेसर उमा कांजीलाल, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने आभासी रूप में दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि इस समय युवा ही विकसित भारत का निर्माण कर सकते हैं। इसके लिए युवाओं को अपनी समस्त ऊर्जा का उपयोग देश के विकास के लिए करना चाहिए। प्रोफेसर कांजीलाल ने कहा कि इस दौर में भारत अंतरिक्ष विज्ञान, कृषि, सुरक्षा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। हमें भी इसमें अपना योगदान देना है। वर्तमान में ओ डी डी एल, कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग एवं ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग आदि शिक्षा के विस्तार और पहुंच को सुनिश्चित करने वाले प्रभावी और महत्वपूर्ण माध्यम उपलब्ध हैं। इन माध्यमों का प्रयोग करके हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति में महती भूमिका अदा कर सकते हैं। यह नीति भारतीय मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक ज्ञान के समावेश के साथ–साथ आधुनिकता और नवाचार को भी प्रोत्साहित करती है।

इस बार राज्यपाल के निर्देश पर दीक्षान्त समारोह के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक/जूनियर विद्यालयों तथा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भाषण, चित्रकला एवं कहानी कथन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांवों में प्रतिभागियों ने प्रतियोगिताओं में काफी रुचि दिखाई। प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पाने वाले विजेताओं परी सिंह, अंश, अनामिका पटेल, सृष्टि शुक्ला, अन्तिमा पटेल, तमन्ना भारतीया, अदिति मौर्या, सूरज साहू, जान्हवी, पीहू, श्रेया पटेल, सेजल मौर्य, निहारिका, मोहिनी पटेल, अर्निका मौर्या, आराध्या साहू, गुंजन, रिमझिम, राम रतन, अमित सरोज, प्रिंसी पटेल, आयुषी तिवारी तथा सिमर साहू को दीक्षान्त समारोह के अवसर पर कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा पुरस्कृत किया गया। दीक्षान्त समारोह के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलाधिपति के द्वारा किट भेंट किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों को विश्वविद्यालय की तरफ से किट भे। करती हुई माननीया कुलाधिपति जी

मानीया राज्यपाल ने इस अवसर पर जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी को राज भवन की तरफ से पुस्तकें प्रदान की तथा प्राथमिक विद्यालय को पुस्तकें भेंट की। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा रोटरी क्लब के साथ समझौता ज्ञापन किया गया एवं स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पांच स्कूली छात्राओं को एचपीवी की वैक्सीन लगाई गई।

जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी को राज भवन की तरफ से पुस्तकें प्रदान करती हुई माननीया राज्यपाल जी।

प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका प्रीति सिंह को राज भवन की तरफ से पुस्तकें प्रदान करती हुई माननीया राज्यपाल जी।

जिला प्रशासन द्वारा रोटरी क्लब के साथ समझौता ज्ञापन किया गया एवं स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पांच स्कूली छात्राओं को एचपीवी की वैक्सीन लगाई

उच्च शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण – राज्यपाल

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति

20वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करती हुए माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उच्च शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण है। समाज के कम से कम 50: युवाओं की पहुंच उच्च शिक्षा तक होनी चाहिए। इसमें मुक्त विश्वविद्यालय को अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय यह कार्य अपने क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से पूरा कर सकता है। दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता के लिए ऑनलाइन सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने बिगड़ते पर्यावरण पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने इस अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय बेरुई के बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर दी गई प्रस्तुति की सराहना की। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने महिलाओं में बढ़ते सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी वैक्सीनेशन की मुहिम के लिए जन सहभागिता की अपील की। राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को कैंसर से बचाव के लिए जो मुहिम चलाई है उसमें प्रशासनिक अधिकारी अपना सहयोग प्रदान करें। कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जो भी मिला है उसमें हमेशा खुश रहें। यह कभी न सोचें कि यह मिला और वह नहीं मिला। अपनी क्षमता से और अधिक प्राप्त करने के लिए कोशिश करते रहिए।

माननीय राज्यपाल
उ० प्र०
एवं कुलाधिपति जी,
माननीय अतिथियों
को हरित फल,
अंगवस्त्रम् भेंट कर
उनका सम्मान करते
हुए कुलपति
प्रो० सत्यकाम

माननीय राज्यपाल
उ० प्र०
एवं कुलाधिपति जी,
बच्चों को हरित फल
भेंट करती हुई

दीक्षान्त समारोह के समापन की घोषणा करती हुई माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

राष्ट्रगान

शोभा यात्रा का सभागार से प्रस्थान

दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रतिवेदन एवं प्रगति आख्या प्रस्तुत की। प्रारंभ में राज्यपाल ने अटल प्रेक्षागृह के समीप रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, महापौर श्री गणेश केसरवानी, विधायक श्री गुरु प्रसाद मौर्य, श्री बाबूलाल तिवारी, कुलपति प्रोफेसर अखिलेश कुमार सिंह, पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि टीना मां, इलाहाबाद संग्रहालय के निदेशक श्री राजेश प्रसाद, उपेंद्र सिंह, पूर्व निदेशक डॉ एम एन सिंह, डॉ पी पी दुबे, पूर्व कुल सचिव डॉ ए के सिंह तथा जिला प्रशासन के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

अटल प्रेक्षागृह के समीप रुद्राक्ष का पौधा रोपित करती हुई माननीया राज्यपाल जी।